A–0454

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–603

M.A. Sanskrit (MASL)

सिद्धान्तकौमुदी कारक एवं समास भाग-01

Examination, 2026 (Feb.)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. "अकथितं च" सूत्र की सोदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
2. "रुच्यर्थानां प्रीयमाणः" सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
3. "लः कर्मणि च भावे चाकर्मकेभ्यः" सूत्र की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित को सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए–

(क) द्रोणो व्रीहीः

(ख) मासं कल्याणी

(ग) गोपी स्मरात् कृष्णाय तिष्ठते

(घ) ग्रामं ग्रामाय वा गच्छति

5. निम्नलिखित को सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए–

(क) भवामि

(ख) शृणुतः

(ग) अगच्छत्

(घ) एधते

(ङ) नयतु

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. "सहयुक्तेऽप्रधाने" सूत्र की व्याख्या कीजिए।
2. 'गम्' धातु के लृट् व लङ् लकारों के रूप लिखिए।
3. तृतीया विभक्ति का विधान किस सूत्र से होता है वर्णन कीजिए।
4. किन-किन स्थितियों में प्रथम-मध्यम-उत्तमपुरुषों का प्रयोग होता है ?

5. टिप्पणी लिखिए–"कृत्यानां कर्तरि वा"

6. "ज्ञोऽविदर्थस्य करणे" सूत्र का उदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. लृट् लकार और लोट् लकार में क्या अन्तर है ?

8. सार्वधातुक संज्ञा विधायक सूत्र को उदाहरण सहित बताइये।

****